Workshops on Vedic Mathematics

(Indian Knowledge System)

To create awareness among students about the Indian Knowledge System, the Srinivasa Ramanujan Department of Mathematics offer Vedic Mathematics as a skill enhancement course to the students of Master Level and Undergraduate Level, and also organizes workshops on the mathematical Indian Knowledge System at regular intervals.

1. Two Days Workshop on Indian Mathematics, 13-14 September 2019

This event was basically for the students of M.Sc. Mathematics, and was organized as a part of professional development activity of the students. The basic purpose of this programme was to acquaint the students with the contribution of Indian mathematicians in ancient/Vedic mathematical and astronomical fields, and to connect it with the modern aspects of mathematics.

Following Resource Persons delivered the expert lectures in this event:

- Dr. K. Ramasubramanian; (Professor; Cell for the Indian Science and Technology in Sanskrit, Department of Humanities and Social Sciences, Indian Institute of Technology Bombay, India)
- **Dr. Clemency Montelle**: (Professor: School of Mathematics and Statistics, University of Canterbury, Christchurch, New Zealand)

In this event, participants learnt about measures for the collection of literature related to ancient Indian Mathematics, and enquired about the pertinent future research problems in the history of Indian Mathematics. This workshop was very useful in linking the ancient/Vedic Indian mathematical contributions with modern mathematics, and in the exploration of Indian mathematical documents that have never been studied.

Media Coverage

चित्र में।

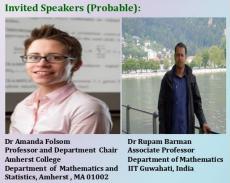


(ब्यूरो)

2. International Workshop on Geometry of Continued Fractions: Ramanujan and his Successors, 14-15 September 2020

The main objective of this workshop was to introduce the researchers, students, young teaching personnel and scientists at global level with the works of renowned Indian mathematician Srinivasa Ramanujan and his successors on various analytical aspects of geometry of continued fractions.







Dr Vijav M. Patankar Associate Professor Department of Mathematics BITS Pilani, Goa, India

Dr Ravinder Singh Assistant Profes Department of Mathematics NIT Jalandhar, India





About the University The Central University of Himachal Pradesh is established under the Central Universities Act 2009 (No. 25 of 2009) enacted by the Parliament. The University is funded and regulated by the University Grants Commission (UGC). The Central University of Himachal Pradesh strives for Inclusive Access to Excellence in Higher Education and Research to emerge as Premier University of the Country at par with the best Universities of the World in terms of Programme Offerings, Curricular Framework, Pedagogy Research, Publications and Integration with the World of Work. For more details, please visit: www.cuhimachal.ac.in

Organizing Committee:

Convenor: Prof. (Dr) Rakesh Kumar, Dean & Head SoMC&IS, Srinivasa Ramanujan Department of Mathematics,

Organizing Secretaries: Dr S. K. Srivastava, Assistant Professo Srinivasa Ramanuian Department of Mathematics, CUHP

Dr Pankaj Kumar, Assistant Professor Srinivasa Ramanujan Department of Mathematics, CUHP

Members:

- Dr Rajesh Kumar Singh, Assistant Professor Department of Physics & Astronomical Science, CUHP
- Sh. Sanjay Singh , Hindi Officer, CUHP
- Sh. Vicky Bhardwaj, CUHP
- Sh. Rohit Dhiman, CUHP

Registration Details:

Register online on or before 12th September 2020 at following link: google.com/forms/d/1Bfnf6PxOHMcf-

P78l6SKGk 4n9kNaG2IOWgpM54fss0/edit?usp=sharing

- No Registration Fee.
- Maximum limit of participants is 100.
- Selected participants will be notified on or before 13th September 2020.
- 100% attendance will be required. Registered participants will receive an E-certificate only after the completion of workshop.

Contact Persons:

- Dr. S. K. Srivastava, +91-98160-78345, sachink.ddumath@hpcu.ac.in
- Dr. Pankaj Kumar, +91-70185-47330,

Following Resource Persons delivered the expert talks in this event:

- i) Prof. Amanda Folsom, Professor, Department of Mathematics and Statistics, Amherst, MA 01002
- ii) Dr. Vijay M. Patankar, Professor, Department of Mathematics, BITS Pilani, Goa, India
- iii) Prof. Mukut Mani Tripathi, Professor, Department of Mathematics, Banaras Hindu University, Varanasi, India
- iv) Dr. Rupam Barman, Professor, Department of Mathematics, IIT Guwahati, India
- v) Dr. Ravinder Singh, Assistant Professor, Department of Mathematics, NIT Jalandhar, Punjab, India

Participants from different parts of the country acquaint themselves with the continued fractions which have a central role in analytic number theory by providing best rational approximation to real numbers. The applications can be seen in harmonics, electric networks, geometry of numbers, complex analysis, numerical analysis, dynamical

systems, music, calendars and gears.

Media Coverage



अभर उजाला क सुनाल चड्ढा का सीयू में गणित के पहलुओं से परिचित होंगे दुनिया के शोधकर्ता और वैज्ञानिक धर्मशाला। केंद्रीय विवि धर्मशाला में दुनिया भर के शोधकर्ता, विद्यार्थी, युवा शिक्षण कर्मी और वैज्ञानिक गणित के विभिन्न पहलुओं से परिचित होंगे। विवि में 'निरंतर भिन्न की ज्यामितिः रामानुजन और उन्के उत्तराधिकारी' विषय पर 14 और 15 सितंबर को कार्यशाला होगी। इसमें हिस्सा लेने के लिए विश्व भर के प्रतिभागी पंजीकरण करवा सकते हैं। कार्यशाला विवि के श्रीनिवास रामानजन डिपार्टमेंट ऑफ मैथमेटिक्स और सेंटर फॉर वैदिक मैथमेटिकल स्टडीज की ओर से करवाई जा रही है। कार्यशाला के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने बताया कि निरंतर भिन्न वास्तविक संख्याओं के लिए सर्वोत्तम तर्कसंगत सन्निकटन प्रदान कर विश्लेषणात्मक संख्या सिद्धांत में एक केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. सचिन कुमार श्रीवास्तव और डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि कार्यशाला दुनिया भर के प्रतिभागियों के लिए नि:शुल्क करवाई जा रही है। अब तक 700 प्रतिभागी पंजीकरण करवा चुके हैं। शोधकर्ताओं की मांग पर पंजीकरण की तिथि 12 सितंबर तक बढ़ाई गई है। संवाद

3. International Workshop on Srinivasa Ramanujan: The Man Beyond Infinity, 22 December 2020

The main objective of this event was to make the students of Mathematics Department of Central University Himachal Pradesh aware of Ramanujan's life and his researches. This workshop was open and free to participants from all over the world. The workshop acquainted the researchers, students, young teaching personnel and scientists with Ramanujan's mathematical researches and his life at the world level.

Following Resource Persons were invited:

- i) Dr. K. S. Rao, Senior Professor, The Institute of Mathematical Sciences, Chennai, India
- ii) Prof. June Barrow Green, Professor, The Open University United Kingdom
- iii) Prof. NGC Saivaiti, Professor, University of Milan, Itlay
- **iV) Prof. Satyanad Kichenassamy**, Professor, University of Reims Champagne, France

V) Prof Zhao Jiwei, Professor, Northwest University China **Brochure**



Media Coverage



सीयू में बताए रामानुजन के शोध कार्य

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेशं केंद्रीय विश्वविद्यालय (एचपीसीय) के श्रीनिवास रामानुजन गणित विभाग और वैदिक गणितीय अध्ययन केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य पर ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 'श्रीनिवास रामानुजनः अनंतः से परे आदमी' विषय पर आयोजित कार्यशाला में देश भर के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 133वीं जयंती को मनाना था। कार्यशाला में शोधार्थियों, छात्रों, युवा शिक्षण कर्मियों एवं वैज्ञानिकों को विश्व स्तर पर रामानूजन के गणितीय शोधों और उनके जीवन से अवगत करवाया गया। द इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइंसेज के सेवानिवृत्त प्रोफेसर के श्रीनिवास राव ने रामानुजन के जीवन

और कार्यों पर प्रकाश डाला। नॉर्थवेस्ट युनिवर्सिटी चीन के प्रो. झाओ जिवेई ने भास्कर के दृष्टिकोण को क्षेत्र की गणना के लिए समझाया। यनिवर्सिटी ऑफ रिम्स शैंपेन, फ्रांस के प्रो. सत्यानंद किचेनसामी ने प्राचीन और आधुनिक गणित में उदासीन प्रवचन पर चर्चा की। इटली मिलान विश्वविद्यालय से प्रो. एनजीसी सैवैती ने बर्नौली के अंतर समीकरण पर पुरानी व्याख्याएं सुनाई। द ओपन यूनिवर्सिटी यूनाइटेड किंगडम के प्रो. जून बैरो ग्रीन ने इस कार्यशाला में युद्ध के दौरान गणितज्ञों के योगवान पर अपनी बात रखी। प्रो. अनुपम जैन ने भारतीय गणित के महत्व पर प्रकाश डाला । कार्यशाला के आयोजक सचिव डा . पंकज टाकुर के अनुसार इस कार्यशाला में 400 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस मौके पर डा. सचिन कमार व डा. मीनाक्षी समेत अन्य मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

. 90 पंजाब केसरी

धर्मशाला. 22 दिसम्बर (नवीन): हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के श्रीनिवास रामानुजन गणित विभाग और वैदिक गणितीय अध्ययन केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य पर एकदिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। भीतिवास रामानुजन अनंत से परे आदमी विषय' पर आयोजित इस कार्यशाला में देश भर के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 133वीं जयंती को मनाना था।कार्यशाला में वार्ता के लिए एमेरिटस वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था। इस कार्यशाला में शोधार्थियों, छात्रों, युवा शिक्षण कर्मियों एवं वैज्ञानिकों को विश्व स्तर पर रामानुजन के गणितीय शोधों और उनके जीवन से अवगत करवाया गया। द इंस्टीच्यूट ऑफ मैथमैटिकल साइंसिज के सेवानिवृत्त प्रो. के.

श्रीनिवास राव ने श्रीनिवास रामानुजन के जीवन और कार्यों पर सुरुचिपूर्ण ढंग से प्रकाश डाला। नॉर्थवेस्ट यूनिवर्सिटी चीन के प्रो. झाओ जिवेई ने भी चर्चा को। यूनिवर्सिटी ऑफ रिम्स शैंपेन, फ्रांस के प्रो. सत्यानद किचेनसामी ने प्राचीन और आधुनिक गणित में उदासीन प्रवचन पर चर्चा की। इटली मिलान विश्वविद्यालय से प्रो. एन.जी.सी. सैवैती ने बर्नौली के अंतर समीकरण पर पुरानी व्याख्याएं सुनाईं। द ओपन यूनिवर्सिटी यूनाइटेंड किंगडम के प्रो. ज्न बैरो ग्रीन ने इस कार्यशाला में युद्ध के दौरान गणितज्ञों के योगदान पर अपनी बात रखी। प्रो. अनुपम जैन ने भारतीय गणित के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के आयोजक सचिव डा. पंकज ठाकुर के अनुसार इस कार्यशाला में 600 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस मौके पर डा. सचिन कुमार श्रीवास्तव और डा. मीनाक्षी भी विभाग के छात्रों के साथ कार्यशाला में उपस्थित रहे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला में आनलाईन कार्यशाला

प्रदेश श्रीनिवास रामानुजन गणित विभाग और वैदिक गणितीय अध्ययन केंद्र द्वारा सर्युक्त रूप से राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य पर एक दिवसीय ऑनलाईन अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । श्रश्नीनिवास विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में देश भर के प्रतिभागियों ने भाग लिया । कार्यशाला के संयोजक प्रो. राकेश कमार ने कहा कि इस र्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 133वीं जयंती को मनाना था । कार्यशाला में वार्ता के लिए एमेरिटस वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था। इस कार्यशला में शोधार्थियों, छात्रों, युवा शिक्षण कर्मियों एवम् वैज्ञानिकों को विश्व पर रामानुजन के गणितीय शोधों और उनके जीवन से अवगत करवाया गया। द इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइंसेज के सेवानिवृत्त प्रोफेसरए प्रो. के. श्रीनिवास राव श्रीनिवास रामानुजन के जीवन और कार्यों पर सुरुचिपूर्ण ढंग से प्रकाश डाला। नॉर्थवेस्ट यूनिवर्सिटी चीन के प्रोण् झाओं जिवेई ने भास्कर के दृष्टिकोण को क्षेत्र के सतह क्षेत्र की गणना के लिए समझाया। यूनिवर्सिटी ऑफरिम्स शैंपेनए फ्रांस के प्रो. सत्यानट किलेक्स प्रो. सत्यानद किचेनसामी ने प्राचीन और आधुनिक गणित में उदासीन प्रवचन पर चर्चा की इटली मिलान विश्वविद्यालय से प्रो. एनजीसी सैवैती ने बर्नीली के अंतर समीकरण पर पुरानी व्याख्याएं सुनाई । द आपन यूनिवर्सिटी युनाइटेड किंगडम के प्रो. जून वैरो ग्रीन ने इस कार्यशाला में युद्ध के दौरान गणितज्ञों के योगदान पर अपनी बात रखी। प्रोण् अनुपम जैन ने भारतीय गणित के महत्व पर

आयोजक सचिव डॉ. पंकज टाक्र के अनुसार इस कार्यशाला में छह सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग

कुमार श्रीवास्तव और डॉ. मीनाक्षी भी विभाग के छात्रों के साथ

आपका फैसला

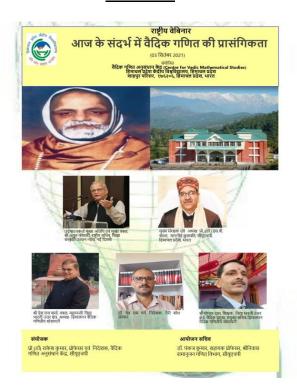
4. National Webinar on आज के संदर्भ में वैदिक गणित की प्रसांगिकता. 03 September 2021

This Webinar provided a ground for the eminent speakers and researchers to acquaint the students as well as the researchers and faculty members from different parts of the country with the well posed relevance of the Vedic Mathematics in current scenario. The students of the Central University of Himachal Pradesh were also greatly benefitted from this event, especially students from School of Mathematics, Computers & Information Sciences.

Following Resource Person was invited:

i) Sh. Atul Bhai Kothari, National Secretary, Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi

Brochure



Media Coverage

वैदिक गणित में सर्टिफिकेट कोर्स राष्ट्रीय वेबिनार के दौरान सीयू के कुलपति बोले, सुविधा जल्द गणित भारतीय ज्ञान परंपरा

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के वैदिक गणित अनुसंधान केंद्र द्वारा आज के संदर्भ में वैदिक गणित की प्रासंगिकता विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें कुलपति प्रो. बंसल ने गणित, कम्प्यूटर और सूचना विज्ञान स्कूल के वैदिक गणित अनुसंधान केंद्र को वैदिक गणित में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की अनुमति प्रदान की है। इस वेबिनार में देश के विभिन्न भागों से लगभग 1700 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वेबिनार का शुभारंभ सीयू के कुलपति प्रो. एसपी बंसल ने दीप प्रज्वलन कर किया।



उन्होंने वेबिनार की रूपरेखा के बारे में बताया और साथ ही भरोसा दिलाया कि दिसंबर माह में वैदिक गणित पर एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन सेमिनार का विश्विद्यालय द्वारा किया जाएगा। कुलपति बंसल ने गणित, कम्प्यूटर और सूचना विज्ञान स्कुल के वैदिक गणित अनुसंधान केंद्र को वैदिक गणित में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की अनुमति प्रदान की है। वैदिक पर आधारित पाठयक्रम है। कुलपति ने इसके लिए गणित विभाग के सभी सदस्यों को बधाई दी है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अतल कोठारी राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति

उत्थान न्यास ने वर्तमान समय में वैदिक गणित की प्रासंगिकता से प्रतिभागियों कराया। वेबिनार में प्रो. भाग चंद चौहान और डा. विक्रम सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। वेबिनार के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम से प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र. विशेष रूप से गणित, कम्प्यूटर और सूचना विज्ञान स्कूल के छात्र लाभान्वित हुए।

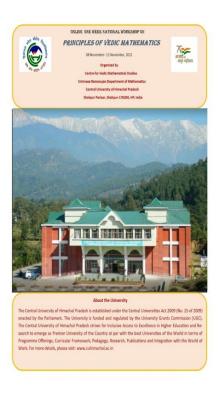
5. One Week National Workshop on Principles of Vedic Mathematics, 08-12 November 2021

The main aim of this Workshop was to provide the ground to the learners of mathematics from different parts of the country to learn the basic principles of Vedic Mathematics.

Followings were invited as Resource Person in the Workshop:

- श्री अतुल कोठारी; राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली
- श्री राकेश भाटिया, राष्ट्रीय समन्वयक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली
- **श्री गोपाल दास**, शिक्षक, जीएमएस, भद्रवानी, जिला-मंडी, हिमाचल प्रदेश
- **डॉ. राम चौथाईवाले**; सेवानिवृत्त व्याख्याता, अमोलचंद कॉलेज, यवतमाल, अमरावती विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र
- **डॉ कैलाश**; एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख भौतिकी विभाग, बीएनपीजी कॉलेज रथ हमीरपुर, उत्तर प्रदेश
- श्री महेश शर्मा; प्रधानाचार्य, राणा मुंशी राम सर्वहितकारी विद्यामंदिर, सरहिंद, पंजाब

Brochure













सही क्रियान्वयन से ही सफल होगी शिक्षा नीति

सीयु के धौलाधार परिसर में राष्ट्रीय संगोछी, 2025 तक 50 फीसद विद्यार्थी अर्जित करेंगे व्यावसायिक शिक्षा

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के धीलाधार परिसर में राष्ट्रीय संगोछी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयन विषय पर आयोजित संगोध्ही में वतीर मुख्य वक्ता शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने शिरकत की। इस दौरान विवि के कुलपित प्रो. सत प्रकाश बंसल भी मौजद रहे। शिक्षा संस्कृति उत्यान



विश्वविद्यालय धर्मशाला के बीच अतुत कोटारी को सम्मानित करते कुनवाति एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर प्रोकेसर सत प्रकाश वसत । जानस्य

किए गए। वर्ष बाद भारति संस्तृति के अनुस्थ अहल कोर्गा कहा कि क्रिक्ष नीति तैया को रहीं । भारत अहल कोर्गा कहा कि क्रिक्ष नीति तैया को रहीं । भारत ने वर्षिक मणित के सिद्धों पर प्रितिक्वा और तेत थे, इस्तिए बास्तिय नीत्रान ने क्रियतिक्वास्त्र स्तर पर क्रियन्यन को आजदी के बाद यह तीसी संगितियों का गटन, विश्वविद्यास्त्र शिक्ष नीति है। हालांकि इससे माले संगितियों का गटन, विश्वविद्यास्त्र शिक्ष नीति है। हालांकि इससे माले में संगीतियों का गटन, विश्वविद्यास्त्र शिक्ष नीति है। हालांकि इससे माले में संगीतियों है। संगीतियों का मान को से अहल कि मान को से अहल में मान का से अहल मान का स आदि का आयोजन, संकाय विकास आई थी, लेकिन वे दोनों ही भारतीय | वैदिक गणित के मौजूदा जन में अन्य पद्यक्रम शुरू करने का भी सकता है। कार्यक्रम का आयोजन, कलस्टर समग्रता के भाव से दूर थीं। नई राष्ट्रीय बनाकर क्रियान्वयन की योजना, शिक्षा नीति में शिक्षा के अलग-अलग क्षेत्र की स्थापना की जाएगी। घरतीय समावेश किया जाएगा। शिक्षा नीति कुमार, निदेशक जनसंपर्क एव इसके साथ ही छाजों को नीति सफल स्तरों पर सभी विषयों में भारतीय भाषाओं में शिक्षण देने वाले उच्च के पूर्णतः लागू किए जाने को लेकर परीक्षा नियंत्रक हा. सुमन गर्मा एवं संरचन में बदलाव की दृष्टि हैं। स्वतंत्रता के परचात पहली बार स्तर के 50 फीसर शात्र व्यावसायिक अध्ययन करना होगा। मुख्य विषय व इलेक्टिव विषय के रूप से पिछड़े वर्ग के छात्रों में शिक्षा एक दशक में व्यावसायिक शिक्षण को सचिव प्रो. अंबरीश महाजन, मूर्त का निवारण करन होगा 150 , को बहान देने के लिए किया किया वी-वी-कुछ तिका की बाग में ही अधिकात छात्र करनाण हो, प्रदेश | www.jagran.com पर

वैदिक गणित के सिद्धांतों पर हुआ मंथन

कार्यशाला हिमाचल प्रदेश केंद्रीय गणित, कंप्यूटर और सूचना विज्ञान

विश्वविद्यालय के शहपुर परिसर में वीसी ने डिप्लेम पाठ्यक्रम शुरू आसान तरीका है जॉकि कंप्यूटर की सोमवार को शुरू हुई। यह कार्यक्रम करने का दिया मरोसा

स्कूल के अंतर्गत वैदिक गणित बेगदान देने के लिए रेखा गणित, छात्रों के बीच गणित को रोचक और अनुसंघन केंद्र और ब्रीनिवास अंक गणित और बीजगणित पर दिलचस्य बनारगा रामानुजनगणित विभाग को ओर से स्वतंत्र पुस्तकें लिखने का भी प्राचीन काल में लोग विना किसी आयोजित किया ज रहा है। आग्रह किया। उन्होंने शोधकर्ताओं औपचारिक बुनियादी शिक्षा के भी

वनने के लिए इसके साथ जोड़न जान पांपर, कला, संस्कृति एवं शिक्षा संस्थानों को बढ़ावा दिया आचारों का योगदान काफी महत्वपूर्ण वित्त अधिकारी नोंड कुमार, परिस होगा। स्नातक स्तर पर चार वर्ष मृत्यों का समावेश की बात कही गई जाएगा। 2025 तक कालेज, विवि रहेगा। सबसे पहले उन्हें इस नीति का समन्वयक प्रो. मनोज कुमार सन्होंन एवं सरचन में बदलाप को पुष्ट है। स्थानाम कर सम्बन्धिक अधिक सिक्षा का ज्ञान अर्जित कोरी। आगामी इस मीके पर कुलापित के निजी काराइ। जिले की खरी

उन्होंने कहा कि वैदिक गणित ं वैदिक गणित के सिक्षंत विषय पर पांच दिवसीय ग्राष्ट्रीय केंद्रीय विश्व में वैदिक गणित के मानसक गणनाओं के मान्याम से सिद्धांत विषय पर कार्यशाला शुरू चीजों को सीखने का तेज और तरह तेज होने के साथ सटीक भी है। उन्होंने बहा कि वैदिक गणित

केंद्रीय विश्वविद्यालय में वैदिक गणित के सिद्धांत पर कार्यशाल

वैदिक गणित के सिद्धांत विषय इस सत्र की अध्यक्षता हिमाचर पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय कार्यशाला हिमाचल प्रदेश केंद्रीय कुलपित प्रो. एसपी बंसल ने की विश्वविद्यालय के शाहपुर परिसर प्रो. एसपी बंसल ने पारंपरि में सोमवार से शुरू हुई। यह हिमाचली शाल और टोपी कार्यक्रम संयुक्त रूप से गणित, कर मुख्यातिथि को सम्मारि कम्प्यूटर और सूचना विज्ञान किया। कार्यशाला के संयोज स्कल के अंतर्गत वैदिक गणित प्रो. राकेश कुमार ने पारंपरि अनुसंधान केंद्र और श्रीनिवास हिमाचली शाल और टोपी रामानुजनगणित विभाग के द्वारा कर सीयूएचपी के कुलपित आयोजित की जा रही है, जो कि स्वागत किया। अतुल भ 12 नवंबर 2021 तक चलेगी। कोठारी ने अपने भाषण में वैदि कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की गणित के सिद्धांतों शुरुआत दीप प्रज्वलन व अकादिमक चर्चा शुरू करने सरस्वती वंदना के साथ हुई। जोर दिया, ताकि इस ज्ञान अतुल भाई कोठारी राष्ट्रीय आम जनता तक पहुंचा

न्यास, नई दिल्ली कार्यशाला उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि रहे समन्वयक, शिक्षा संस्कृति उत्थान जा सके।

केंद्रीय विवि में वैदिक गणित के सिद्धांत विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ



धर्मशाला/ शाहपुर। वैदिक गणित के सिद्धांत् विषय पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के शाहपुर परिसर में शुरू हुई है। यह कार्यक्रम संयुक्त रूप के भीजार कंप्यूटर और सूचना विज्ञान स्कूल के अंतर्गत वेदिक गणित अनुसंधान केंद्र और श्रीमिवास रामानुजन गणित विभाग के द्वारा आयोजित की जा रही है, जो कि 8 नवंबर से 12 नवंबर २०२१ तक चलेगी। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की शुरूआत दीप प्रज्ञवनन व सरस्वती वंदना के साथ हुई। अतुल भाई कोठारी, राष्ट्रीय समनवराकए शिक्षा संस्कृति उत्थान व्यास, नई दिली कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि थे। इस सत्र की अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. एसपी बंसल ने की। प्रो. एसपी बंसल ने पारंपरिक हिमावली शाल और टोपी भेंट कर मुख्य अतिथि को सम्मानित किया। कार्यशाला के संयोजक प्रो. सकेश कुमार ने पारंपरिक हिमाचली शॉल और टोपी भेंट कर सीयूएचपी के माननीय कुलपति का स्वागत किया। अतुल भाई कोदारी ने अपने भाषण में वैदिक गणित के सिद्धांतों पर अकादमिक वर्वा शुरू करने पर जोर दिया ताकि इस ज्ञान को आम जनता तक पहुँचाया जा सके। उन्होंने विश्वविद्यालय के गणितज्ञों शोधकर्ताओं से वैदिक गणित के मौजूदा ज्ञान में योगदान देने के लिए रेखा गणितए अंक गणित और बीजगणित पर स्वतंत्र पुस्तकें लिखने का भी आग्रह किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में शोध करने के लिए प्रेरित किया तार्कि वैदिक गणित के सिद्धांतों का सामान्यीकरण किया जा सके। प्रो. एसपी बंसल माननीय कुलपति सीयएचपी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि